माननीय राज्यपाल महोदय श्री राम नरेश यादव का तेल एवं गैस संरक्षण पखवाड़ा- 2014 के शुभारम्भ कार्यक्रम में उदबोधन

स्थान:- भोपाल, दिनांक :- 16 जनवरी 2014, समय:- शाम 4 बजे बजे

तेल एवं प्राकृतिक गैस संरक्षण पखवाड़ा के अवसर पर आयोजित रैली का शुभारम्भ करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। यह जागरण रैली न सिर्फ देश बल्कि देशवासियों की समृद्धि और खुशहाली के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगी।

तेल एवं प्राकृतिक गैस प्रकृति के द्वारा मानव समाज को प्रदान किये गये हैं। तेल एवं गैस ने मानव जीवन में महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। इसकी कमी का प्रभाव धनवानों या समृद्ध लोगों पर ही नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग पर पड़ता है। गरीबों और ग्रामीणों के जनजीवन पर इसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। इसके अतिरिक्त गैस और तेल जैसे प्राकृतिक उपहार देश और प्रदेश की आर्थिक प्रगति का बहुमूल्य स्त्रोत है। इनके मूल्यों में वृद्धि और इनकी कमी से भारतीय अर्थव्यवस्था कमजोर होती है। इसके आयात से देश को विदेशी मुद्रा का बहुत नुकसान होता है।

हमें तेल एवं प्राकृतिक गैस के संरक्षण का महत्व समझना होगा। इस समारोह में विद्यार्थियों को शामिल किया गया है जो देश का भविष्य हैं इसलिए इन्हें अभी से इस कीमती खनिज को सुरक्षित एवं अच्छे ढंग से उपयोग करने की शिक्षा मिलनी चाहिए। आज जिस प्रकार नौजवान मोटर सायकिल और कार का उपयोग कर रहे हैं उससे जहां तेल की खपत बढ़ रही है वहीं नौजवानों के स्वास्थ्य पर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा है।

तेल और प्राकृतिक गैस के संरक्षण की दिशा में तेल एवं गैस कम्पनियों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। मुझे खुशी है कि तेल तथा गैस संरक्षण के प्रति जन-जागरण के लिए तेल कम्पनियों द्वारा प्रतिवर्ष एक पखवाड़े के लिये कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में

आज आयोजित कार्यक्रम में हम सभी उपस्थित हैं। तेल तथा गैस कम्पनियों की इस रचनात्मक सोच के लिए मैं कम्पनी के अधिकारियों –कर्मचारियों को साधुवाद देना चाहता हूं।

तेल एवं गैस संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए आम जनता में जागरूकता पैदा करना पहली आवश्यकता है। प्राकृतिक गैस ईको फ्रेंडली ईंधन है। ऊर्जा फर्टीलाईजर, उद्योग, वाणिज्य,घरेलू तथा यातायात के क्षेत्र में तेल एवं प्राकृतिक गैस की मांग निरंतर बढ़ रही है। इसलिए तेल और गैस की कम खपत की सोच को बढ़ावा देना होगा। यह सीमित संसाधन है। इनका दुरूपयोग रोकना जरूरी है।

पृथ्वी पर सुखमय जीवन की गारंटी के लिए अगर हम आज भी नहीं जागे तो हमें भविष्य में अनेकों विषमताओं का सामना करना पड़ेगा।

देश की तरक्की को रफ्तार देने में तेल तथा गैस अत्यंत महत्वपूर्ण संसाधन हैं। आज हम लगभग 80 मिलियन बेरल तेल की खपत प्रतिदिन कर रहे हैं। इससे करोड़ों टन कार्बन प्रतिदिन उत्सर्जित होकर पर्यावरण में घुल रहा है। एक अनुमान के अनुसार, सन् 2015 में तेल और गैस की आवश्यकता, आज की तुलना में 80 प्रतिशत तक बढ़ जायेगी। इस बात को ध्यान में रखकर हमें आगे की कार्ययोजना तैयार करना होगी।

तेल एवं गैस संरक्षण के लिये कारगर तरीके अपनाने होंगे। उदाहरण के तौर पर, हम अपनी गाड़ी की गति 45 से 55 किलोमीटर प्रति घंटा रखें। ट्रेफिक लाइट तथा रेल्वे सिग्नल पर गाड़ी बंद कर दें। घर में खाना पकाते समय गैस का दुरूपयोग रोकें। बहुत जरूरी होने पर ही निजी वाहन का उपयोग करें। पब्लिक ट्रांसपोर्ट का अधिक उपयोग करें।

तेल और गैस को बचाने के लिए खुद सक्रिय हों और अपने परिवारजनों, पड़ोसियों तथा दोस्तों को भी प्रेरित करें। तभी हमारी आने वाली पीढ़ी का भविष्य उज्जवल होगा।

मानव कल्याण के लिए इस प्रकार के आयोजनों की सोच सराहनीय है। मैं आशा करता हूं कि यह अभियान जन-मानस में नई चेतना का संचार करने में अवश्य सफल होगा।

जय हिन्द।